J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 04.03.2020

THE PIONEER

नाटक के माध्यम से लैंगिक संवेदनशीलता का दिया संदेश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के महिला कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के विभिन्न क्लबों के विद्यार्थियों द्वारा नुक्कड़ नाटक तथा गीत-संगीत की प्रस्तुति दी गई, जोकि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2020 की विषय-वस्तु पर आधारित थी।

कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. नरेश चैहान तथा अध्यक्ष महिला कल्याण डॉ. अंजू गुप्ता भी उपस्थित थीं। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन प्रतिवर्ष 8 मार्च को किया जाता है और इस वर्ष की विषय-वस्तु

जेसी बोस में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

'मैं जनरेशन इक्वेलिटी: महिलाओं के अधिकारों को महसूस कर रही हूं' है। महिला दिवस पर अपने संदेश में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन महिलाओं को प्रेरित करने तथा समाज में उनके योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों से समाज और देश को गौरवान्वित कर रही है और आत्मनिर्भर है। नाटक के माध्यम से लैंगिक विषमता के कारण महिलाओं पर होने वाले उत्पीड़न का भी चित्रण किया गया और बताया गया कि इन सब के बावजूद महिलाओं ने किस प्रकार से समाज में बेहतर मुकाम हासिल किया है।

NEWS CLIPPING: 04.03.2020

NAVBHARAT TIMES

नाटक में दिया लैंगिक समानता का संदेश

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी के महिला कल्याण प्रकोष्ठ की तरफ से महिला दिवस को लेकर कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। यूनिवर्सिटी के विभिन्न क्लबों के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक व गीत-संगीत की प्रस्तुति दी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की विषय-वस्तु पर आधारित नाटक 'मैं सब ठीक कर दूंगा' में छात्रों ने लैंगिक समानता की जोर दिया। नाटक के माध्यम से लैंगिक विषमता के कारण महिलाओं पर होने वाले उत्पीड़न का भी चित्रण किया गया। इसके जरिए बताया गया कि इसके बावजूद महिलाएं समाज में बेहतर मुकाम हासिल कर रही है। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. नरेश चौहान व अध्यक्ष महिला कल्याण डॉ. अंजू गुप्ता मौजूद रहीं।

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में नाटक का मंचन करते छात्र-छात्राएं

NEWS CLIPPING: 04.03.2020

HINDUSTAN

नाटक से लैंगिक समानता बताई

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में बुधवार को महिला कल्याण प्रकोष्ठ की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन हुआ। इस मौके पर नाटक के जरिये लैंगिक समानता का संदेश दिया।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन महिलाओं को प्रेरित करने तथा समाज में उनके योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से किया जाता है।

विभिन्न क्लबों छात्रों ने गीत, संगीत और नुक्कड़ नाटक जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया। छात्रों ने 'मैं सब ठीक कर दूंगा' नाटक के जरिए लैंगिक समानता का संदेश दिया।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 04.03.2020

DAINIK BHASKAR

स्टूडेंट्स ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लैंगिक संवेदनशीलता का दिया संदेश

जेसी बोस विवि में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में हुआ आयोजन

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

फरीदाबाद। नाटक का मंचन करते जेसी बोस यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट।

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यूनिवर्सिटी के विभिन्न क्लबों के स्टूडेंट ने नुक्कड़ नाटक तथा गीत-संगीत की प्रस्तुति दी। इस दौरान कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन महिलाओं को प्रेरित करने तथा समाज में उनके योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से किया जाता है। उन्होंने कहा आज महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों से समाज और देश को गौरवान्वित कर रही हैं। उन्होंने कहा महिला दिवस पर हमें समाज में महिलाओं के महत्व एवं उनके योगदान को मान्यता देनी चाहिए और उन्हें अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की विषय वस्तु पर अभिनीत नाटक 'मैं सब ठीक कर दूंगा' में विद्यार्थियों ने लैंगिक समानता की जोरदार वकालत की। उन्होंने लैंगिक संवेदनशीलता एवं महिला सशक्तिकरण के मुद्दों को लेकर समझ विकसित करने का प्रयास किया।